

प्र⁹न स्टिशासि स्रा⁹न THE TOO TO CHARIN र्देयोणपा त्रेएज्री र मेहमलीय यष्ट्रणा प्रदर्ज स्थारिकाम मिटन अधिमार सर्रामाध त्राम्टित त्र^भार ग्रंभम



<u>ण्टे</u>ला॰ टेड्स *लाचटाण दूरोऊञश्च* ख्यानस्याति । जात्रम्याति । न्या राज<u>र</u>णा राज्याच्याच्या **゙**#॰टे हेळ्ळा ४॰उम स्ट्रीगाभागि जगालुङ ण प्रेम्भात्रभाषा भूग



व्यन्य व्याम व्याटा रो मारेटःराण पण्य पण **���� えでりもで へりじあび** र्साणार्सेक्षेणात्र रेंष्ठ रे



ाध्यान, त्र मेंड प्पण प्पम, SECONT CHISC CYSULU

HUEIYEN LANPAO. RNI Regn. No. MANMEE/2009/31282 Postal No. MNP-409

ए जिस्स प्रसाध है से हिस्स प्रमाध प्रमाध विश्व सिंदि से साथ विश्व सिंदि से साथ विश्व सिंदि से सिंदि सि **तम्ब्रियञ्चरभस वार्टाराय्ये व्यभम्भात्मस्य म्रह्माय्यम्भा**

क्रम प्रक्री) ४२ दर्घर, रहंमद चारिक्ट भारतीहरूद अभिकार मर्टल रूभन भग्रत प्रजाहिल टेड्रटीप्राण स्थिटेंटर स्टिश टाएगी है हैं इस्ताप्त इसह म्ब्रेक्टिक एउ प्रताह उद्य प्रताहरू **ഺ**ംമൂപ്രയമ വാമ്പപ്പു हें भारत प्रात्म प्रात रूभभाषास्थर मार्च मह्य विक्र ॥ <u>भक्त</u>ोत्रज्ञरूभर पाठारोठर्व

હ્યુસ્ટ जारेगाच മ്പ്പൂമ **™ालद**'भेर्ने म war. स्प्राण हिंदी १ अधिस रूभूर भ<u>न्यत</u>्र भारितेष्ठ्यत एत[्]ण अज़िल्स अज़िल्स अस्टर ज्ञाहरेगाण ॥ विद्यास्थार है हो है है है । विद्यास्थार है है । विद्यास ब्रद्धस भागर विषय क्र

मख्याल राज्याभरत्रा

ीणाणभुट्टी हुस

द्रश्चात हुंग्रम्

॥ <u>भन्य</u>णित्र रिपाए राज्यताष्ट्रमा रिराजैत

स्टर्क विरोधमामा हुमुर प्राप्तदर्भ

गोपाउण्याध्य प्राधिदर्श हो स्वाधित

र्क्णः इ<u>श्वा</u>प र्गारी ज्ञा<u>भापा</u> भागञ्जे

ण ए पे लक्ष्यक, एक्रेजिंदिर

र्मार्टिश स्त्रिया भन्ने प्रशासिक

णाऽ॰ऽध्य रिमंड दर्सम रिसम

`क्रम हे. पण्ट टल्ट्र स्ट्रिंट

क्ष्मित्र अधिक स्थापित विश्वम

മഴിന്മ് ചെയ്യ ചെയ്യ

प्रकार मध्य, प्रवास प्रवास

॥ ब्रिट्स प्राप्तीस ४५७ ब्रिस

HL Poll

Q: Manipurleingakki makhada

POLL CLOSES AT MIDNIGHT

Vote thadanabagidamak

www.hueiyenlanpao.com

da Visit toubiyu

NGARANG GI RESULT

Q: Manipurda library matik

maheiroisinga

banabada nopfam thokpra?

 $\mathbb{T}\omega$ Sobremosis

श्रीका बीलहर्षित पार्वदांक म्याँक

miof५३४ ा४टिक्किष्ठ...?

Yes 83% No 17%

lam-

chadabana atei

Yes No

maheisangsing

...हे टसेंड इस

sitharaklibasi

thokhanbra?

क्रक प्रकृत १६ वर्ग १६ वर्ग १६ वर्ग १६

कुणाञ्चर प्रस्तव यूस्ता श्रुक्ति स्थाप्त क्रिस्य स्त्रामान अरात्य के का भारत हुन के का काराता कर का मारा कर हो जाता कर है के भारत हुन कारा है के अरात्य के अरात्य के अरात्य रिक्ष होता है। अर्थ प्रतिक्ष प्रतिक्य प्रतिक्ष प्रतिक्य प्रतिक्ष प्रतिक्ष प्रतिक्ष प्रतिक्ष प्रतिक्ष प्रतिक्ष प्रतिक्ष

न्दीडळ ोणड्सेसद ७०°ऽदर्जणव[्]क ०५७°ह<u>ळ०</u> ोणभूतीजम ह्रक वोटावार्षक

करान्त्र प्राप्त अर्मरञ्च स्राप्त करेत जाता र अर्थास्य अर्थास्य हेर्ने हरेत जाता प्राप्त अर्थास्य स्वाप्त करी हरते

रमिस्तानस्य काराम्य स्वापन्ता ॥ <u>भन्य</u>णाद्धात्य रखणात्रस्य त्यात्रस्य त ।। වන්ब्रपार्ट स्वार्थस भारतम पार्क्षिय

प्रोधदर्घ हर्दे सहप्राप्तिए ग्राप्त हु एभञ्चल<u>रूट</u> नार्धात सहग्रह्म गुरुषेत प्रोध<u>ोभाष्य</u>ण हुदर्दस्म (भूषे भारदर्व <u>भर</u>भिक्षणाम छद[्]प्र ह्यारिमदम राज्ये विम पार्श्वरादर्घ भन्न होरा<u>भाग</u> विषय रहार्य पार्थ का रिट्रेंम पर्टीट ,रिदर्क प्रतिष्यरि व्या मध्या मर्टेलद स्थांप्रम विपासिप्रम िर्दात कुण सांभावन के से हिन्दू हैं हैं है है है से सूर्य सुराम साधाय के स्थान स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स ०७५ सिम्रक वाराजन निरूप निर्मात होते सहवारित होते हैं सहवारित होते हैं सहवारित होते होते होते हैं सहवारित होते होते हैं सहवारित होते होते हैं सहवारित होते हैं सहवारित होते हैं सहवारित होते होते हैं सहवारित है सहवारित होते हैं सहवारित है सहित है सहवारित है से सहवारित है सहवारित है सहवारित है सहवारित है सहवारित है सहवारित है से सहवारित है सहवारित है सहवारित है से स्वारित है से स्वारित है से स्वारित है से स्वारित है से सहवारित है से स्वारित है भरीपीए राभड़मरू रिर्डम रिप्प मधि २३ प्रभुग दर्भन्म मध्य रिस्मण अग्र एप्य दर्भ ह्या रिप्प रिप्त र महममुन्नाण हैंव ग्रोफ़र उर्क, एमम्ए प्रस्कारमञ्जूषा ग्रोधाय महेंदेव अमर प्रस्पानीमामण अम्बर्ध प्रस्पय जैक्सेन अस्वर्धा।

णमण भार्छराप्ताटलीय दर्दस

प्रकृत्या अध्याप्त क्रिल्स अध्या जापारित मह्याप्त

एसिंप जमएि सप्रमण्जर भर्षेत्र प्राप्तभक्ष भाभाष्यार्थर्शिष

॥ १५ मन्त्रम हर्रपार्ध्वस्त्र विज्ञहर्<u>द्रप्तर</u> प्रमुख विभाषकारी । रभागम पार्रभीर रहनदर्धिर रापमपिहत पार्गात था १३४३२ भव्योमध्यास एदध्या भागित्र र्वा व्यापन सम हर गाया है हो एक एक्स मार्याचामा अन्य कर पार्वाच्या ह्यान्तर ॥ जिल्लास्य विषयित विषय १३ अथ पार्वि<u>भव्य</u> भ स्वापार्थ । र गर्पाणकार अन्य जी <u>भव</u>ित्र अन्य मार्क कार्य प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित इ.८. चा<u>मकर</u>ःम ह्याजम निषद्धं हो हो है । हो हो हो हो हो हो हो है । ा। अर्याम् स्थात्य क्रमाध्य प्राप्त

ाधिर प्राप्ति प्रशास स्वाच प्रभाव प्रभाव प्रभाव प्रभाव ाष्ट्रभण अरुणेल **उरुणेल** अरुलद पाणिए इस्तर्भ प्राप्त विकास के लोग होता है । છે.માંદે, કંડ્રા <u> जिञ्चल</u> भागाराण⁶रहरू ह्री जरीया कितार

ജോന്റ്റ് പുടുന്ന കുടുള്ള നട്ട്

सर्वर्षा<u>राय</u>ः भाम5 ॥ <u>भित्</u>तमार आरायाँकार एक भार

න්වනු රාජය ආෂකයා දැන්වෙන रूरमभ्यक्र जरूटि कि भिष्ष्यक्र प्राप्ति हर्म स्राप्त हर्म स्राप्त हर्म रदर्व भीषान्त्रीभाषा राजम

न्नात हर्ने प्रस्ति के उत्तर प्रस्तिमात आत्यार अध्यक्त आत्यार अध्यक्त आत्यार अध्यक्त या के हिल हेक्सक्ल अकदा मा अमुख्याला विद्यान अस्त्र अस्त्र हिल लाभसामात्रस्यात्रस्य प्राप्तानास्य अत्यानम् सम्प्राप्तानम् अत्यानम् अत्यानम् अत्यानम् अत्यानम् अत्यानम् अत्यान एबाएम प्राप्तिम प्राप्तिम एक एक भारत है। जिल्ला होर हमधेर प्रधित्रभार विर्माण अभ्याद म्झेमद रहमभार प्र मारिक्स ॥ भारतम्बर्ग प्राप्तिकारम् निर्मात मिलान मारिक्स्याम एक रिकट्रिक्ट हिन्स रिक्टियन एक रिक्टियन हिन्स विकार हिन्स हिन ग्राट्य प्रजन्म स्वापाल राभराज्य में मिलीज किस्सा भ्रम्भाष्ट्र प्राप्ति राभराज्य स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति प्रेहिं लेंस, इसहेन इस अर्थ क्षिल्य क्रेस्टाल्यी। ग्रोसिंट्रीप्रय उस ॥ स्टिब्ल हो हुन स्टिज्य स्टिज्य के अल्ला जो मध्य

ीह घीरदर्श्य भञ्जहार<u>ाभाप</u> , जिरहर्क, ग्रञ्जा प्रथम का अध्य प्रधान के जिल्ला - mgද වාන සන යා වැඩියෙන වා පාසා සා පාසා සා වෙන වන සා සා उन्हों प्राथम के प्राथम के प्राथम जापा जापार अल्ला अन्य हो जन्म के अन्य के अन्य के अन्य के अन्य के अन्य के अन्य ा जिज्ञान स्थाप अध्याप विकास के प्रमानिक स्थाप विकास के प्रमानिक स्थाप के प्रमानिक स्थाप के प्रमानिक स्थाप केह्य दसें र्यम

भिगामापार्विहरू मारभर्त पार्ट्स भावर्व्द

भ्रत्यात्रक्ट प्रम**ा**

ोह्र विद्यापा <u>भ</u>ुव्हालाह रहें दे ता एक प्रकार है । हिमान

। गिरहोद्धाधरप्रस्य एक सम्बद्धाः सार्थेक प्राप्त क्रिया हिन्स

"क्रेट प्राप्ट होंग टेंक्स के क्रेट क्रेट क्रेट क्रेट क्रेट "

रुखीब्दण्यत एग्ठीक ः(एग्र भग्न र्रो) १२ वर्डे , र्रज्ञात प्रात्मक स्वाया अत्यापक स्वाया अत्यापक स्वाया अत्यापक स्वाया भ ०मीभ एएट भिम जीलीम हिभ्यत स्क्री वर रिभ्रहोत्रेट हरएस रह्माग्रिंट मध्याँ रीन्द्रस्य ह्यालाल रम्मा भ्रस्तान्ह्र ग्रीस्थान्द्रम् प्राप्त प्रभन्नभभभीता है जिल्ली जिल्ला विद्यापान प्रस्ताप किल्ला ट॰ग्र्याटशब्ब टार्स वाध्यक्त विस्तर विकास के विकास विकास विकार है। थिस विधारश्रम्भभर्धाताह्न र एहिष्ट रिप्रियस्ट रिप्रा മ്യാ സ<u>എന്ന</u> ലംബംഘിൽ 1മ്മാനില ാഒര്. <u>ഘപ്</u>ചാപ്പ വധിസദാട് ,दर्ज एस्ट्राट भारतर्ज एसए एक्ट्रिस प्राचिक्टर एक्ट्रिस एक्ट्रिस एक्ट्रिस एक्ट्रिस एक्ट्रिस एक्ट्रिस रूमध्रम रहें ए15 ए ${f D}$ ण्या अर्म जा ${f D}$ जीस्र ${f w}$ े प्राप्त न्या व्यटेष्ठलामा राज्या में इरण्याच्या स्वरंग स्वरंग स्वापार हो ज्या है ज्या है ज्या है जिस है जिस है ज ിയ്യാലിലെ നിവരിച്ചെട്ട് ിയ്യാ പ്രാസ് വിശ്യാപ്രം വെട്ട് വെട്ട് വെട്ട് വെട്ട് ിവഥ നാചരായിന്നായ ഏറിദ്യാ ലമ്പിരാഷ ഒച്ചാ നലവ്യ ० रूपार्थन भागि स्वाया हिन्द्र विषय स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स ०भीभ रण्या॰ह्या॰ पार्टपा॰न्य एहीरजन विद्याभाभ विज्ञाम भज्यभा

ें के ये प्राया मिटा कि कि एक कि

जाप्र एनस्य अन्याप्रधाराज्य स्थाप अन्य स्थाप १६६ वर्षा प्रमान र्जासर्टे लीप्पर, त्र प्रेरु प्पल प्पम, प्प गी प्पल प्पम, प्रेरु प्पल प्पम, प्राप्तेष्टरूष्ट्रप, रू इहण्<u>टरम्</u> <u>लक्ष</u>नए ज्ञाली लेक्स्प्राण <u>लक्ष</u>न गरिस एमा एक्टर माराप्यक्रित एट्सिस्ट एक्ट्रिस हि दर्क भार एदर्ज <u>क्</u>रिक्ट . भिर्मिष्ट दर्शिष्ठ अदल्हालमा जांत्राज्याभाग स्नातमार्थ सम्मारा पाणिवर् गेंक्रल <u>गाल</u>िएलागोन प्राप्त गी लिंदेनेस् एक्सिएलि<u>ज्</u>या होलेस स्टिन गिग्धा प्रासेन, इ.ट. जेसर लिएडिन सेल्जन उँएज<u>ट</u> प्रसन्नी ॥ त्रियार्थीय जमस्वर जम<u>स्ट</u>्रिट रुस्वरहरूह रुन्हाया जदल्हातामा न<u>ष्पट</u> ॥ त्रियार्ध्यार्धात प्रायाम्य ब्रायाः ब्रायान्यक्ष्यं राजदर्श्व जाप्यायान्यक्ष्या ०र्दाषा र्दार जापी०५%तथा रहिडमीन था। एथिएर ५५७७४५५५ रहम $r_{
m MC}$ पाछिद्रली भार्त्वोष्ट्रतम भारत्रजंभीरू स्थापण्ड भञ्जण्यन्न ॥ दिर्द ०००१ र ४५७० मार्प्यात दर्भ स्वयोधभन्न प्या निस्त्रक प्रार्थि<u>रक</u> भार्म्भित ॥ भिर्थर र्रम जराग रुभित्र लग्रदर्क बिरोगा

'ಹ'જેન જોનદાં જોવાં જોવાં જાના જના કરે કરો કરો.'

「will acts (Com and 大道) 85 st2 (Linux and 大道) 85 st2 とは出て सटेप्प्र रेंड र्रंडेच प्राप्ट स्वाय होश्टेर खायम एन्डा प्राप्ट हें हिंच हो स्वाय अभारताम होभिल स्राज्यम प्रोडमंब्र रहेंद्र स्रोहमंड हर्ष्ट प्रांगाभिदर्ह र्रास्थद उथ्य रिस्पीस स्टायमा एवर्च रोष्ठथीलवर्ट समस्म रुक्य राधिराधिराधिरामा ,बर्क जहाम राधिरा ॥ भिवर्क जमाम राधिर \mathbf{w} The section of the \mathbf{w} $\mathbf{$ र्मि स्वापन समाने सामार्क्ष होता है अध्यक्त समाने हैं जो स्वापन समाने हैं जो स्वापन समाने हैं जो स्वापन समाने विद्यापारण विद्यार हुन ए. १८८५ ॥ स्वर्धित व्याप्त महरूराम जमर ॐऽवार्षा १०४१ भव्यार्वयार्वा पाठय ७३ वामम स्रहरीय सर्वम र्ठेट ॥ स्राम्रस्यत्रीम पाठम घोष्ट्रीक्टम् एक विचे भिम्न रुप्रभूर हीदण हे सुन्ति स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप हे जा कि जा क्रिया प्राप्त हिन्दु स्वाप्त सम्बन्ध स्वाप्त स्वाप्त क्रिया प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व णक्षेत्र ग्रेक्शकस्त्रका ४७५ भिम क्रिडाणस्य हणोर्घ्यात्राह्म ॥ भिर्धर द्रस ग्रह्मण म्धिर लुगदर्व गिष्ठह्माग्रा

क्ट्रिंग प्राचित्र मार्थ कि स्वाप्त कि स्वाप

अने अने भारतासीयम शत्या करा भूति । १६ वर्च प्रत्या प्राचित्र होटाम जेजिएए स्वाचित्र स्वयापीय जेज रहा जिल्ला होटाम जेजिए होता है जिल्ला ीं उसरें र इसीया रिप्रा मर्झर र डिप्पार्थ स्वार्थ रह क्ष रिपारिप्रा के उदर्ज भर्ट र्जसारहत मर्डाटातर्वत्र विचलक्षामाला विजिक्तांका उन्होर त्यापि एतर्व न्स् ,दर्व छोटाक्र र ११ डिप्पर्थन्स्याध्य समक्र र १५५५ माप्या स्टि क्रिस्स्या रदर्व भारेंच मठ रह्मा ॥ ऋर्य क्रिमर्झर रदर्व भारताल मठ हरिया हर्न्य प्रभन्न प्रह्मणील ह्युरे पालमण आत्पामा उमर्ह लिए हन्द्र ॥ दर्भर्ह मलमा भारता है कि राज्य होत्र होत्र है लाई भारतीय महीद्र ॥ रिभारता ग्रस्टर सगर गरदर्व ब्रीहरी ग्रद्धम सर्म मञ्जा मागर्ष्यम भारतिका ्रीक्रीसर्दर्य एउट्टे भिम प्रत्यमण जरुगीयोत्तर हेपा देपान्त रज्योद्धर जांदर्बर ीममाप्ट हरिएम ॥ भन्देर्ड ४५८वर्ष् ५५६६ र्जभ्य रदम् ४५५५मभर्भातीह ष्ट्रयण ष्रञन्राप्पशीत ष्रग्रह्मरीयर्थन प्राप्तिवर्धन समहरोम भगण्यत्मे भगष्रदर्क जामहीम छल्छम्म दर्भीम व्याप्त स्वाप्त हर्म्य रिप्प ॥ दर्भदर्भ र्श्यक्त ॥ भिष्टि टाइयुन्ट्रेस सार्षदम जिल्ला पा॰र भिरात राभित्र जरायस टेएएं सेंट्रड स्वर्धेणेज सी टेंएमीड इस व्यस्टाज रें इएमीड सहस जापड ०७मध्यम जवारित रहेर हुने मुन्नात स्थाएस भावत्वे भारदर्व निमाप्त अपार्विद् ण्योटाअन्तीम होत्रश्चत जमहीम ? भ्वहंद ह्यान्त मह पान्त्र मदम हर्मात्रण पार्टियन्य भारती सरयन भन्नीम सिरम्भिरिय र्रात्म भारतीम ॥ भिरदर्क ॰०ँडे ४००ँच्या मर्झर भाष्ठर्रामा मंड एमंद्रीम त्याचेत्र ॥ <u>भ्यत</u>्पार्ध्य

टंटे-टंटिए गाउँ भागात्र सञ्चा गोपिष्ठाञ्च

उद्धारताञ्चत ए. १८८६ स. १८८६ मार्च ४७० १६ वर्च १८६४ मध्य ४ प्रेंट सम्ब्री**प्रा**न लेडिलल (सीमल) प्र डिल्मीक में हो, ह्यसभिट्टे एहर्स जन्मिल स्पर्धम एन्स्लिन भिल्ले <u>प्रमिश</u> मर्ट्रमा गर अन्नार अनमक विदर्शनाम व्यक् अरब्र्लात व्यक्त व्याप उभिक्रायदर्भ मठोन् भिष्ठ<u>°भ</u>ाषा दश्वर भारतिक्रार्ट मण्डश्वा दर्भत उत्तमुषायद्यः राप्ताता प्रवास ४<u>२षा</u> ८०<u>५मा</u> समाग्रम् ॥ <u>भन्य</u> प्रत्याद्य टिया गरापार्थन्तवार्थ होता मार्चे तवार्थका राजेंद्र राज्ये , रिद्धार्व रिसमण मि मार्म हिएक है एक एक मिलमिन ॥ इंटर हिला पार्क्यं लग्नी जालमण गिष्ठी में मर्स रदर्न ऋरं रहे द्धर शिष्टी इस्मार हिम्म हिम्म हिम्म निर्माण रिदर्दर्श प्रीयिश । ज्यारामी वार्क्स रमाव्या राजमहीस जिब्बिस ш॰रा सामान्या निर्मा हो हुए समयक अञ्चालकारा प्रचानिक ॥ रियार्क्सान्त्र एक्ट देस एपार्स एदर् होरपार्ग

अस्यार्क्षणाट्य प्रराण

क्रमहेन, ट्टेंक ९४ (पॅरेंस पण्ड पण्ड): स्टिंगालगार्थ पराप्राप्र प्रोर स्मिए रिसर्ट मान्या ने हिन्द हिन्द स्थापन निर्माण निर्माण किन्द भारतिस्ट विकास विस्तार रायें विकास राज्य राजिस होता है जिस हम्मे थणाएँ धेमारा एदर्ब <u>भक्त</u>ीन्ट्रें ह्न २२ भिराराम दें (२२) र्रह्व मार्मार गाएणीय स्टान्स एटिस एटिस स्टान्स एटिस स्टान्स विकास स्टान्स अल्लाहरू मार्क्स स्टान रभेत हेम्स विस्तर हो जिल्ला प्रभारत होता है स्वाप्त हेस्स अस्तर प्रभारत है स्वाप्त है स्वाप्त है स्वाप्त है स प्रसाधिक प्राप्त भागाता है है कि एक स्वाप्त क्षा करा क्षा करा समा जिंदा गाठभन्यार्थ स्थाप स्थाप अभिन्य एक अस्थार्थ स्थाप स च्चेड देज्ञभार एक होर प्रामित देस र क्रिक्स में प्राप्त करा है।

...हळ दर्साठ र्यम

हरमाँगा एक एक मार्थ महिन्य महिन अ°४% र पण्या के इरोहदर्क ग्रजायाच्या ज्ञान

ठूम सम्बद्ध भारता १८००का ीण २३ कि.स ीण (म्ब्यूर्क्ष्य) गर्फ ज्ञस पाउम मध्य विश्वराज्य मर्जदर्ध्या ४०० २४२ भारिलाएड भाषा भट्टें इद उस्मिष्योज्ञीमध्य मरत्याल रोज्याभरत्यस्य प्याभर्दे पार्श्वरीय राजमांत जास्वराभग राजभाग र्में अर्थ स्थाप स्थाप स्थाप्त स्थाप

നാന് വെട്ടു പ്രാവാധിക്കുന്നു വാധിക്കുന്നു.

स्रीस गार का , रज्ञन्यार्यामा माम्ब्यभग व्यक्तिम भारायाल जन्म र्रेण) १२ वर्५७, र्नमव

र्माट एवटी राष्ट्रा ।। विवर्त प्रभाविष्ट रामाना ।। होविष्ट रामाना ।। होविष्ट रामाना ण्यार्जम भिष्ठरमधेर्ट प्ययर ध<u>्धिया</u> जस्वर्ध रंम ज्यारम ग्रन्थ प्रस्ते स्थल भल्यानाह २२ तर्ड्ड भा २२०३ ईमाय , तर्र स्यापभाष्टत्र प्रणाप्यापन ोत्तरभंडे ड स्थिता गाँउ होलमण विस्तर हाल विपादितीमालर्वे स्थापिक है एक एक एक स्थापिक सि

The transfer arithmeter in the transfer all the transfer and the transfer and the transfer are transfer and transfer are transfer and transfer are transfer and transfer are transfer are transfer and transfer are t िर्णाटक से जिस्तर्र हैं स्वर्गायल जिल्ला स्वरंग विषय है जिल्ला स्वरंग विषय विषय , ರ್ವಪ್ರಬ ॥ ಉತ್ಪಡಗಳಿಕ್ಕೆ ಹ ತಿ ರಾಲಯ ಬರಕ್ಕೆ ಹಡಲಿಯ ಸರ್ವಾ <u> गात्भुगम्मे</u>स हुन्स गात्मागुरूलाल अगत् अग्राह्म सुन्ता स्थाप्त अग्राह्म सुन्ता अग्राहम सुन्ता अग्राह्म सुन्ता अग्राहम सुन्ता अग्र स्रील स्कूम कि पार्टीट क्रिसम लग्जन निम्न किरानाम स्नाम നാന് ജാമുറാനും വാധം പ്രധ്യായിലെ प्रमाणा होन्यार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ हे ज्या भ्रम्भ सार्थ है ज रूभीमण भारजीटार्ट स्मा भारकी प्राप्त उन्हाना प्रमान हर रेंद्र प्रोजिनकाल ४२३ दर्गीम भागात्परिहर्र रप्रोलेस्ट प्रमे समध्य ॥ विस्थान स्वरं दर्शन स्वरं हर्णमा प्राप्त स्वरं स माध्य प्रभाम क्यांत्र हुन होल स्प्रम प्रमाध्य हुन होल स्प्रम भारत हुन होल स्प्रमाध्य हुन होल हुन हुन है। स्प्रमाध्यम

ਨਾਘਟਜ਼ ਘਲੀਂਟ ਸਾਲਜ਼ ਹੋਈ ਸ਼ਲੂਨਤਜਤਾਰ ਸ<u>਼ਲ</u>ਾਰਟ ਨੇ ਨੀ ਹਾਂ ਹਾਰੇ ਭਰ हर्र गर उद्धा विद्यमणोह्न पाठम नामण विद्यार्थित । विदेषाणा मध्या रिपाक्षा विरोध विद्यार्थ रिपाक्षा विद्यार्थ ह रेमाषा ॥ भगगर राजन स्टाम स्टान प्रत्या सहस्वत्या सामेर वर्षां अपने रहे स्टाम । ्रमीए॰ऽ रूठह्मई २२०२ ोगार ०२०२ पा॰रुप्ण एप्रायान्य प्रत्येण एर्प्राया पामर्हाणाभिष्य रूरहम्परमू

ह र भ<u>्वा</u> मार ग्रहण्यभाज्ञ ग्रद्धा राभेर-ज्य भ्रष्याभोह

ച്ചു പ്രത്യായിച്ചു പ്രത്യായിക്ക് പ്രത്യായിക് പ്രത്യായിക്ക് പ്രത്യവയിക് . । අවවනුණ ක්යනය පුරුක දාස් ක්රීම පුරුම පුණු පුණුන අවසන අවසන සාග ण्या विकास अल्लाहिक अललाहिक अल्लाहिक भारतामस हिए हिए अने

जरेण रेटेम, जाव्य रेटेम, भेटा, टार्म हेर्सा व्याटी एस्रिकेव जाव्य रेंज्र हेंचा मध्य प्राप्त समार्थ अध्यात समार्थ अध्यात समार्थ अध्यात समार्थ समार्य समार्थ समार्य समार्थ समार्थ समार्थ समार्थ समार्थ समार्थ समार

THE THE SERVICE TH रूक मार्कर विभाग राजिक्स के का प्राप्त १६ वर्च १ प्रमुख उद्धारित ग्रमिटण महमटाप्रिम जाउनीए उदर्व ⁽जार्<u>णकेण</u> ः(भारा त्रटें के शामित्रमाणी <u>अप</u>ोश्वर स्वयन्त्र स्वयन्त्र स्वयन्त्र स्वयन्त्र स्वयन्त्र स्वयन्त्र स्वयन्त्र स्वयन्त्र स रहिता है सार्व सामान्य सामान्य के जाव है जिस्सा है जाव से जाविका से म॰क्र भणित्रस्यक्र भणित्रस्याहरू भणित्रस्याहरू भणित्रस्य हार्स्य हाओर प्रात्य का भारत सामानिक राज्य एक महामानिक प्रात्य हे अस क्षेत्र जोक्सहेक्साम प्रोक्स <u>स्थि</u>ज टी लए, प्रन्य टर्डा, जेक जस्जद र्रोण पाटामा जिल्लाहर्म हिन्ह जापिटास्टाबर्सिक विज्ञाहरू

E。COM Rod ന്മുട്ട് വിച്<u>പ</u>്പുക്കിക്കുന്നു ജിഗത इस्ट ...ह्य दर्मेट देम

भ्रष्ट्रभेद इद्युक्त रुज्ञीसण्ड्र क्रमहेन, टुटेक ९४ (प्रेंस पण्ड ८.८९५<u>म्</u>स्ट क्रमाताः <u>५४३</u> १८८७ ष्ट्रोटेटिए प्राप्ती इंटरिस र्वेथोप्रामा टिंग सर्थे साम्प्रीहरू **गदर्**दक्वभित्र णभ प्राचित त्रोह प्राचित्र मा ⋿₀⊞⋘⋒⋴≌

<u>एउ</u> संज्ञामान्ह <u>ज</u>्रम् हिरा प्रभ प्रश्चा स्रोत अध्य द्वार , ये हुन स्रोत



मेंने भा प्रदार के स्वाधिक करें स्वाधिक करें स्वाधिक महिन्

ग्रम॰क्षा समीद्ध ४दर्व मठीष्टरम

र्देशोणाषा टिम टएएें इ सिप्एें इए

र्ह्म उर्द्धकान बर्जेग्र हामाहण नामान निर्माण के । विद्याल स्थाल स्थाल स्थाल स्थाल स्थाल स्थान स्थान स्थान स्थाल । विद्याल । ठण्यारमार्य्य मठ छुरुप्पठभ्यञ्चम ीगीस ह्यो<u>ड</u>ह्य ीमार हिष्का सहुक्र भरपार्थ्य रिञ्चाराधार ीणार्भव्यय प्राम ଅଣ୍ଟେ ଅନ୍ୟରଣ ଅକ୍ଷ୍ୟ

ें इस॰ए४ ए॰णर॰ए८ ए॰हिं। १८००० व्यापाय विकास के इस विकास के उन्हों के उन्हों के उन्हों के उन्हों के उन्हों के उ

भार्षेष्वदम रिवर्ड स्थापिम श्लिम भग

<u>ब्रह</u>्यस[्]ट जेपास्नेपाटः॥ **अक्षितान्य अध्यान्य अध्यान्य**

चण ोहमण ४५%मद[ु]ऽणस्मद २५%स्ता

त्रा ४३३३ त्राह्म ५४३३ प्राप्त १४३३ प्राप्त प्राप्त १४३३ प्राप्त प्राप्त १४३३ प्राप्त प्राप्त १४३३ प्राप्त प्र

₻₢₢

भ्यः मद<u>्धा</u>तमद एद्धम विभिन्न भाषा आत्राच्यात । विभन्न द्वात प्राप्त र प्राप्त र दिस्त विभारिभ<u>ेष्ट</u> भ्रजन्मतर्<u>गा</u>तमत र्रमाष्ट्रा एक प्रायम तर्जनाता राज्यता प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्र UMXWCC र्रुट्स ीणमण्डलील अर्भाषा के राभ्यं प्राप्त इर०३ इमाष्ट्र

॥ भ्रेष्ट उदर्धव<u>रत्या</u>तमास्र होटाग्र विराप्त ॥ ऋरं रह्योगात

ह्मारा । विद्यार्थ के प्राप्त के प्राप

්ෂා (दर्क मध्य द) නෆාණජාණය ක්ෂෙස් ය හපසංහාෆෆ ්ෂා २२०३ දෙණද<u>නා</u>प्तसाय ш්ෆෆ්වේන සඟරය ीष्प्रभञ्ञः जनद<u>्धा</u>तमस्य ऽद्धार<u>रामा</u>प्ता पाठक राभेंद भव्दलीडण स्ट्रंब २४२०२ भारा सिमाग २२.२२ मारा ४७.२२ मारा पाठक पाठ पाठक विषय १५ १५ भर्भात १५ अ.५५ वि ഷയ<u>ക്ഷ</u>് ദംഭ*ൂ ഭ*്വവിഷ മിലിപ്പ ലാവണ്ട് രാള് അത് നിവന്റ് നൂടെ വരായായി കായാക്ക് പ്രവാധ കായ പ്രവ ॥ १५५४ मा ४७ १८ में १५५४ में

रक्रमञ्जना स्थान स्थान । जिल्ला । विकास ॥ <u>भन</u>्दभन्दीगार ० २२२ ४-भर्भातीस ४ अण्मा<u>रा ठर्हरूल</u> व्याध्यात्र विभिन्न

ज्ञालक क्या भाषा है जिल्ला का जिल्ला का जिल्ला का जात **ද්**ජැ प्पी<u>५४</u>मा भवत्वीरक्ष स्रोत्रभ<u>व्य</u> सरस्त्रं रञ्जरप्प**्र**ण ४७°मद<u>°5ग</u>ासद जाप्योलीमर्झा भग्ट<u>कीण</u> पारिम भाभि होशीर पाहर हस्के उद्धेष्ट<u>रा</u>प्तमा **प्राटाया प्रत्या प्रमाण क्राया अर्थ प्रमाण**

स्टामिक इंटरिनिक्टरिन एक हुन्हें स्थापन हायुन जातिक हुन होता है है है स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन हिर्द्धात्रमात्र हिन्द्र हेर्स स्थापत हिन्द्र हेर्स स्थापत राज्यात्रमात्र हेर्स स्थापत हेर्स स्थापत हिन्द्र हेर्स स्थापत हैर स्थापत है स्थापत हैर स्थापत ीगाह्र २०-२००२ पार्ट्<u>राभ्या</u> ४५दर्गत ह्यांत ोपाधोटाठधार्क्य ४८५५ हिस्सय १२०३ (ए.ए.) १८५४ पार्ट्या ५८५५ ह्या १५०३ पर क्ष्ट्र अभूष्ट

७३% भारत्यात भारत्यात भारत्यातमाष्ट्र प्रजाहरू जाहरूद जात्रातमार १८% व्याप्त

ගමෟඤශ් ෂා $oldsymbol{w}$ මගාණුවන්නේ වේ $oldsymbol{w}$ පවත්ගනාගත් නිය වෙනවා වන සහ මගාණුවන්න් සා සර් සං වාවේ සා වමාන්තය වෙනවා වන්න්

###